New Syllabus
w.e.f 2007-2008

Proceedings of the meeting of the Faculty of languages held on 23.6.2006 at 11.30 A.M in the Department of Sanskrit, HPU, Shimla-5.

A meeting of the Faculty Languages was held on 23.6.2006 at 11.30 AM in the Department of Sanskrit, HPU, Shimla-5. The following members were present:

1.	Prof. V.K.Mishra,Dean, Faculty of Languages.	Chairman
2.	Prof. (Mrs.)Vidya Sharda, Deptt. of Sanskrit.	Member
3.	Prof. P.L.Thakur, Deptt. of Sanskrit.	Member
4.	Prof. (Ms).Pankaj K. Singh, Deptt. of English,HPU.	Member
5.	Prof. V.P.Sharma. Deptt. of English,HPU.	Member
6.	Prof. (Mrs.)Girija Sharma,Deptt. of English,	Member
7.	Prof. Krishan Kumar, Deptt. of Hindi.	Member
8.	Prof. C.L.Gupta, Deptt. of Hindi.	Member
9.	Prof. Jogesh Kaur,Deptt. of Hindi(ICDEOL)	Member
10.	Dr.(Ms.) Sanjana Shamsheri, Deptt. of English, HPU.	Member. 11.
	Dr.(Mrs.) Saraswati Bhalla, Deptt. of Hindi,HPU,	Member. 12.
	Dr.(Mrs.) Kaushalya Chauhan, Deptt. of Sanskrit,HPU.	Member
13.	Dr. Roshan Lal, Lecturer in Eng. GC Solan, HP.	Member

The following decisions were taken:

Item No. 1: To place before the Faculty of Languages the recommendations of the Board of Studies(UG) Sanskrit meeting held on 3.4.2006 as per Annexure.

Decision: The Faculty considered the recommendations of the Board of Studies and approved the same as per annexures.

Item No. 2: To place before the Faculty of Languages the recommendations of the Board of Studies (PG) Hindi meeting held on 20.4.2006 as per annexures.

Decision: The Faculty considered the recommendations of the Board of Studies and approved the same as per annexures.

The meeting ended with a vote of thanks to the Chair.

Sd/-
(Prof. V.K.Mishra)
Dean, Faculty of Languages.

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
संस्कृत विभाग
संख्याः १.१०/०५.एच.पी.यू.(एस.के.टी.)
दिनांक : ३.४.२००६

आज दिनांक ३.४.२००६ को प्रातः १०.३० बजे स्नातक स्तरीय अध्ययन समिति (BOS{UG}) की बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए-

१. प्रो० विद्या शारदा — अध्यक्ष।
२. प्रो० रवीन्द्र कौर — बाह्य सदस्य।
३. डॉ० कर्म सिंह राणा — सदस्य।
४. डॉ० मनोहर लाल आर्य — सदस्य।
५. डॉ० ओम प्रकाश शर्मा — विशेष आमन्त्रित सदस्य

इस बैठक में अध्ययन समिति ने स्नातक स्तरीय (ऐच्छिक) पाठ्यक्रम पर चर्चा की तथा निम्नलिखित निर्णय लिए -

मद सं० १. स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में संशोधन।

अध्ययन समिति ने स्नातक स्तरीय तीनों कक्षाओं के पाठ्यक्रमों पर पुर्नविचार किया और आवश्यक संशोधन एवं परिवर्द्धन किये(प्रतिलिपि संलग्न) यह संशोधन पच्चीस प्रतिशत के लगभग हुआ है। समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संशोधन सम्बन्धी निर्णयों की औपचारिकताओं को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करके सत्र २००६-२००७ से लागू किया जाए।

मद सं० २. स्नातक स्तरीय परीक्षाओं के लिए परीक्षकों की नियुक्ति।

अध्ययन समिति ने स्नातक स्तरीय तीनों कक्षाओं के लिए परीक्षकों की नियुक्ति की और इसे गोपनीय शाखा को प्रेषित किया।

अध्ययन समिति की अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

हस्ता/-
(डॉ० रवीन्द्र कौर)
(बाह्य सदस्य)

हस्ता/-
(डॉ० कर्म सिंह राणा)
सदस्य।

हस्ता/-
(डॉ० मनोहर लाल आर्य)
सदस्य।

हस्ता/-
(डॉ० ओम प्रकाश शर्मा)
विशेष आमन्त्रित सदस्य।

हस्ता/-
(प्रो० विद्या शारदा)
अध्यक्ष।

पाठ्यक्रम

बी०ए० (पास कोर्स) प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र - संस्कृत भाषा नैपुण्य-१ पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ संस्कृत वाग्व्यवहार :-

{मौखिक परीक्षा/वस्तुनिष्ठ प्रश्न (आब्जैक्टिव टाईप)} १५+५=२०

नोट :-

१. इसमें ५ अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) तथा १५ अंक मौखिक परीक्षा के लिए निर्धारित हैं। मौखिक परीक्षा में प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों के अतिरिक्त सामान्य वाग्व्यवहार से सम्बद्ध होंगे, जो केवल संस्कृत में ही पूछे जाएंगे। नियमित विद्यार्थियों की मौखिक परीक्षा उसी महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा सम्पन्न की जाएगी।

2- प्राइवेट एवं इकडोल (ICDEOL) के परीक्षार्थियों के लिए मौखिक परीक्षा संभव नहीं, अतः उन छात्रों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में से ही संस्कृत में २० अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type) पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों के उत्तर छात्रों को संस्कृत में ही देने होंगे। महाविद्यालय में पढ़ने वाले नियमित छात्रों को लिखित प्रश्न पत्र ८० अङ्कों का निर्धारित होगा तथा प्राइवेट एवं इकडोल (ICDEOL) के परीक्षार्थियों को १०० अंकों का प्रश्न पत्र निर्धारित किया गया है।

खण्ड-२ व्याकरण (शब्दरूप एवं धातुरूप) ५+५= १०

क. शब्दरूप :- राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत्, आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, तत्, यत्, (तीनों लिङ्गों में), जगत्, अस्मद्, युष्मद्।

धातुरूप :- पठ्,पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव्, तन्, तुद्,सु, रूध्, क्री, चुर् तथा सेव्, (लट्, लृट्, लङ्, लोट तथा विधि लिङ् लकारों में)।

ख. लघु-सिद्धान्त कौमुदी (वरदराज) - अधोलिखित प्रकरण :-

१. प्रत्याहारसूत्र एवं संज्ञा प्रकरण ८ अंक
केवल वर्णों के उच्चारण स्थान एवं निम्नलिखित संज्ञायें
(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

२. सन्धि प्रकरण (केवल निम्नलिखित सन्धियों) ३ अंक
यण्, गुण् दीर्घ, वृद्धि

३. कर्म,करण एवं सम्प्रदान कारक ४ अंक

२० अंक

खण्ड-४ अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) १० अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१.	बृहद्रचनानुवादकौमुदी	– कपिलदेव द्विवेदी
२.	संस्कृत व्याकरण	– श्रीधर वासिष्ठ
३.	वृहद् अनुवाद चन्द्रिका	– चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, १९८५
४.	लघुसिद्धान्तकौमुदी	– शारदारंजन रे, १९५४
५.	नवनीत संस्कृत शब्द-धातु रूपावलि	– राजाराम शास्त्री, नवनीत प्रकाशन, मुंबई,१९९०
६.	स्वप्नवासवदत्तम	– भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाशन, दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतालाल बनारसादास, दिल्ला।
७.	हितोपदेश (मित्रलाभ)	– नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी/दिल्ली अथवा पं० रामेश्वरभट्ट निर्णयसागर, मुंबई।
८.	वैयाकरण-सिद्धान्त-कौमुदी भाग-१	– महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन, सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठशाला पुणे।
९.	संस्कृत में अनुवाद कैसे करें?	– उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना,१९७१

परीक्षक के लिए निर्देश :

प्रश्न पत्र प्रारूप

बी०ए० (पास कोर्स) प्रथम वर्ष, पूर्णाङ्क-८० (नियमित छात्रों के लिए)
पूर्णाङ्क-१०० (इवडोल एवं प्राईवेट छात्रों के लिए)
समय = तीन घण्टे

क. (हितोपदेश)

प्रश्न १: प्रदत्त चार श्लोकों में से किन्ही दो का सरलार्थ करें। ५+५=१०
प्रश्न २: प्रदत्त दो गद्यों में से किसी एक का सरलार्थ करें। ५
प्रश्न ३: प्रदत्त दो कथाओं में से किसी एक का सार लिखें। ५

ख. (स्वप्नवासवदत्तम्)

प्रश्न ४: प्रदत्त पांच श्लोकों में से किन्ही तीन का सरलार्थ करें ५+५+५=१५
प्रश्न ५: प्रदत्त दो अंशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या करें ५
प्रश्न ६: प्रदत्त दो में से किसी एक का चरित्र-चित्रण करें ५

ग. (लघुसिद्धान्तकौमुदी एवं व्याकरण)

प्रश्न ७: क. प्रदत्त आठ शब्दों में से किन्हीं पांच के यथानिर्दिष्ट विभक्तियों में रूप लिखें। ५

ख. प्रदत्त आठ धातुओं में से किन्हीं पांच के यथानिर्दिष्ट रूप लिखें। ५

ग. प्रदत्त चार में से दो प्रत्याहार बनायें। २

घ. प्रदत्त छः में से किन्हीं चार वर्णों के उच्चारण स्थान लिखें। २

ङ. प्रदत्त चार संज्ञाओं में से दो संज्ञाओं की उदाहरण सहित परिभाषा लिखें। ४

च. प्रदत्त छः वाक्यों में से कोई तीन कारक नियमानुसार शुद्ध करके लिखें। ४

छ. प्रदत्त छः में से किन्हीं तीन के सन्धि रूप लिखें। ३

प्रश्न ८: एक गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद करें। १०

निर्देश- वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्राईवेट एवं इकडोल के परीक्षार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के सभी पक्षों को समान रूप से दृष्टिगत रखते हुए पूछे जाए। परीक्षक परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न पत्र के प्रारम्भ में ही निर्देश दें कि अन्तिम २० अंङ्कों का प्रश्न केवल प्राईवेट एवं इकडोल के छात्रों के लिए निर्धारित होगा।

बी०ए० (पास कोर्स) द्वितीय वर्ष,
चतुर्थ पत्र -संस्कृत भाषा नैपुण्य -२ पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ संस्कृत वाग्व्यवहार (मौखिक परीक्षा) १५+५=२०

नोट :-

१. इसमें ५ अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) तथा १५ अंक मौखिक परीक्षा के लिए निर्धारित हैं। मौखिक परीक्षा में प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकों के अतिरिक्त सामान्य वाग्व्यवहार से सम्बद्ध होंगे, जो केवल संस्कृत में ही पूछे जाएंगे।

२. वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्राइवेट एवं इकडोल (ICDEOL) के परीक्षार्थियों के लिए मौखिक परीक्षार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के सभी पक्षों को समान रूप से दृष्टिगत रखते हुए पूछे जाएं। परीक्षक परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न पत्र के प्रारम्भ में सही निर्देश दें कि अन्तिम २० अंकों का प्रश्न केवल प्राईवेट एवं इकडोल (ICDEOL) के परीक्षार्थियों के लिए ही निर्धारित होगा।

खण्ड–२ क. वाच्य परिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एव भाववाच्य) १०

ख. लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण) केवल अव्ययीभाव, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि। १०

नोट :– सूत्र स्मरण आवश्यक नहीं है।

खण्ड–३ क. श्रीमद्भगवद्गीता (१७वां अध्याय) १०

ख. रघुवंश (प्रथम सर्ग) १५

ग. शुकनासोपदेश १५

खण्ड–४ अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) १०

खण्ड–५ छन्द (वृत्तरत्नाकर) १०

केवल निम्नलिखित छन्द :– अनुष्टुप्, आर्या, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोट :– छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित हैं।

परीक्षक के लिए निर्देश :

प्रश्न पत्र प्रारूप

बी०ए० (पास कोर्स) द्वितीय वर्ष, पूर्णाङ्क–८० (नियमित छात्रों के लिए)
पूर्णाङ्क–१०० (इकडोल एवं प्राईवेट छात्रों के लिए)
समय = तीन घण्टे

चतुर्थ पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य–२

(श्रीमद्भगवद्गीता)

प्रश्न १: प्रदत्त चार श्लोकों में से किन्ही दो का सरलार्थ करें। ५+५=१०

(रघुवंश प्रथम सर्ग)

प्रश्न २: प्रदत्त चार श्लोकों में से किन्हीं दो का सरलार्थ करें। ५।५=१०

प्रश्न ३: प्रदत्त दो में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या करें। ५

(शुकनासोपदेश)

प्रश्न ४: प्रदत्त तीन गद्यों में से किन्ही दो का सरलार्थ करें।

७/२+७/२=१५

(व्याकरण)

प्रश्न ५: क. प्रदत्त आठ वाक्यों में से किन्हीं पांच में वाच्य परिवर्तन करें। १०

ख. प्रदत्त पन्द्रह शब्दों में किन्हीं दस का विग्रह करके समास के नाम का उल्लेख करें। १०

प्रश्न ६: प्रदत्त चार छन्दों में से किन्ही दो के लक्षण, उदाहरण एवं संगति लिखें। १०

प्रश्न ७: एक हिन्दी गद्य का संस्कृत में अनुवाद करें। १०

अनुशंसित ग्रन्थ :-

(क) श्रीमद्भगवद्गीता -गीता प्रैस गोरखपुर।
(ख) रघुवंशम्, कालिदास; -चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी/दिल्ली।
(ग) शुकनासोपदेश, बाणभट्ट; -चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी/दिल्ली।
(घ) अनुवाद चन्द्रिका; चक्रधर हंस-मोतीलाल बनारसीदास; जवाहर नगर, दिल्ली।

बी०ए० (पास कोर्स) तृतीय वर्ष,
सप्तम पत्र -संस्कृत भाषा नैपुण्य -३ पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ संस्कृत साहित्य का इतिहास २०

क. वैदिक संहिताओं एवं रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय।
ख. भास, कालिदास, बाणभट्ट, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एवं जयदेव।

(उक्त कवियों की रचनाओं का सामान्य परिचय)

खण्ड-२ व्याकरण। १५

पाठ्यपुस्तक-लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज) निम्नलिखित प्रकरण -

क. कृदन्त प्रत्यय- क्त,क्तवतु, शतृ, शानच्,यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर्।
ख. तद्धित - मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्।
ग. स्त्री प्रत्यय - टाप्, ङीप्।

खण्ड-३ काव्यदीपिका (कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य) २०

प्रथम, द्वितीय शिखा एवं अष्टम शिखा के निम्नलिखित अलंकार -
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति।

नोट - अलंकारों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित है।

खण्ड-४ अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) ४५

नोट- इसमें २५ अंक श्लोकों के सरलार्थ, १० अंक सप्रसंग व्याख्या एवं १० अंक चरित्र-चित्रण के लिए निर्धारित है।

पाठ्यपुस्तकें - १. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास; बाबूराम पाण्डें; साहित्यभण्डार, मेरठ।
२. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
३. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।
४. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास- युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट।

परीक्षक के लिए निर्देश :

प्रश्न पत्र प्रारूप

बी०ए० (पास कोर्स) तृतीय वर्ष, पूर्णाङ्क-१००

समय = तीन घण्टे

क. (संस्कृत साहित्य का इतिहास)

प्रश्न १: वैदिक संहिताओं, रामायण तथा महाभारत में से सामान्य परिचयात्मक प्रश्न दें। (खण्ड एक भाग ग में निर्दिष्ट) ५+५=१०

प्रश्न २: प्रदत्त तीन कवियों व उनकी रचनाओं में से (खण्ड एक भाग क,ख में निर्दिष्ट) एक का परिचय दें। १०

ख. (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

प्रश्न ३: क. प्रदत्त ८ में से ५ कृदन्त प्रत्यय के रूप लिखें। ०५

ख. प्रदत्त ८ में से कोई ५ कोई तद्धित प्रत्ययान्त रूप लिखें। ०५

ग. प्रदत्त ८ में से ५ स्त्री प्रत्ययान्त रूप लिखें। ०५

ग. (काव्यदीपिका)

प्रश्न ४: क. प्रथम शिखा से सम्बद्ध एक प्रश्न १०

ख. प्रदत्त चार में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण, उदाहरण व संगति लिखें। २X५= १०

घ. (अभिज्ञानशाकुन्तलम्)

प्रश्न ५: प्रदत्त सात श्लोकों में से किन्हीं पांच का हिन्दी में सरलार्थ करें। ५X५=२५

प्रश्न ६: प्रदत्त तीन अंशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करें। ५+५=१०

प्रश्न ७: प्रदत्त दो पात्रों में से किसी एक का चरित्र-चित्रण करें। १०

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. अभिज्ञान शाकुन्तलम्-कालिदास; बाबूराम पाण्डे; साहित्य भण्डार मेरठ।

२. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य,

बी०ए० (आनर्स) प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र - संस्कृत भाषा नैपुण्य-१ पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ संस्कृत वाग्व्यवहार :-
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (आब्जैक्टिव टाईप)} १५+५=२०

नोट :-
छात्रों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में से ही संस्कृत में २० अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type) पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों के उत्तर छात्रों को संस्कृत में ही देने होंगे।

३. खण्ड-२ व्याकरण (शब्दरूप एवं धातुरूप) ५+५= १०

क. शब्दरूप :- राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, दण्डिन्, वाच्, सरित्, सर्व, तत्, यत्, (तीनों लिङ्गों में), जगत्, अस्मद्, युष्मद्।

धातुरूप :- पठ्, पत्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हु, दिव्, तन्, तुद्, सु, रुध्, की, चुर् तथा सेव्, (लट्, लृट्, लङ्, लोट् तथा विधि लिङ् प्रकारों में)।

ख. लघु-सिद्धान्त कौमुदी (वरदराज) - अधोलिखित प्रकरण :-

१. प्रत्याहारसूत्र एवं संज्ञा प्रकरण ८ अंक
केवल वर्णों के उच्चारण स्थान एवं निम्नलिखित संज्ञायें -
(इत्, लोप, अनुनासिक, सवर्ण, संहिता, संयोग एवं पद संज्ञा)

२. सन्धि प्रकरण (केवल निम्नलिखित सन्धियाँ) ३ अंक
यण्, गुण्, दीर्घ, वृद्धि

३. कर्म,करण एवं सम्प्रदान कारक ४ अंक

खण्ड-३ (क) हितोपदेश (मित्रलाभ) २० अंक

(ख) स्वप्नवासवदत्तम् (भास) सम्पूर्ण २५ अंक

खण्ड-४ अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) १० अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. बृहद्रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
२. संस्कृत व्याकरण - श्रीधर वासिष्ठ
३. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका - वकधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली, १९८५
४. लघुसिद्धान्तकौमुदी - शारदारंजन रे, १९५४
५. नवनीत संस्कृत शब्द-धातु रूपावलि - राजाराम शास्त्री, नवनीत प्रकाशन, मुंबई १९९०

६. स्वप्नवासवदत्तम् – भास, डॉ० डी० के० गुप्त, मेहरचन्द लच्छमणदास, प्रकाशन, दिल्ली अथवा एम० आर० काले, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

७. हितोपदेश (मित्रलाभ) – नारायण पण्डित, चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी/दिल्ली अथवा पं० रामेश्वरभट्ट निर्णयसागर, मुंबई।

८. वैयाकरण-सिद्धान्त-कौमुदी भाग-१ – महादेव दामोदर साठे, प्रकाशन, सखाराम आप्टे, संस्कृत पाठशाला पुणे।

९. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें? – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना, १९७१

द्वितीय पत्र – धर्मशास्त्र, भारतीय संस्कृति तथा वैज्ञानिक साहित्य।

पूर्णाङ्क १००

१. याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय
   व्याख्या ३०
   विषयपरक प्रश्न ३०

२. प्राचीन भारतीय संस्कृति २०
   क. पुरूषार्थ-चतुष्ट्य
   ख. ईश्वर, जीव, प्रकृति
   ग. शिक्षा-प्रणाली

३. वैज्ञानिक साहित्य २०
   क. गणित-ज्यौतिष
   ख. आयुर्वेद
   ग. वास्तुकला

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – डॉ० इन्दुमती मिश्रा, भारतीय प्रकाशन चौक, कानपुर।

२. एलिमैन्ट्स ऑफ हिन्दु कल्चर एण्ड संस्कृत सिविलाइजेशन – पी०के० आचार्य

३.	भारत का सांस्कृतिक विकास	-	डॉ० शिवशेखर मिश्र, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रकाशन, लखनऊ।
४.	भारतीय संस्कृति	-	डॉ० शिवदत्त ज्ञानी
५.	आर्य संस्कृति के मूलाधार	-	डॉ० बलदेव उपाध्याय

तृतीय पत्र - साहित्य। पूर्णाङ्क-१००

१.	कालिदास : कुमारसम्भव पंचम सर्ग	३०
२.	पं० अम्बिकादत्त व्यास : शिवराजविजय प्रथम तथा द्वितीय निश्वास	३०
३.	विश्वनाथ : साहित्यदर्पण प्रथम परिच्छेद	४०

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१.	साहित्यदर्पण	-	श्री शालिग्राम शास्त्री विरचितया विमलाख्यया हिन्दी व्याख्यया विभूषितः
२.	साहित्यदर्पण	-	डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
३.	कुमारसम्भवम्	-	चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

बी०ए० (आनर्स) द्वितीय वर्ष

चतुर्थ पत्र - संस्कृत भाषा नैपुण्य - २ पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ संस्कृत वाग्व्यवहार :-

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (आब्जैक्टिव टाईप)} १५+५=२०

नोट :-

छात्रों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में से ही संस्कृत में २० अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type) पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों के उत्तर छात्रों को संस्कृत में ही देने होंगे।

खण्ड-२ क. वाच्य परिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) १०

ख. लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण) केवल अव्ययीभाव, द्वन्द्व एवं बहुब्रीहि। १०

नोट :- सूत्र स्मरण आवश्यक नहीं है।

खण्ड-३ क. श्रीमद्भगवद्गीता (१७वां अध्याय) १०
ख. रघुवंश (प्रथम सर्ग) १५
ग. शुकनासोपदेश १५

खण्ड-४ अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) १०

खण्ड-५ छन्द (वृत्तरत्नाकर) १०

केवल निम्नलिखित छन्द :- अनुष्टुप्, आर्या, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, पंचचामर, वसन्ततिलका।

नोट :- छन्दों के लक्षण, उदाहरण एवं सगति अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

(क) श्रीमद्भगवद्गीता -गीता प्रेस गोरखपुर।

(ख) रघुवंशम्, कालिदास; -चौखम्बा संस्कृत सीरिज,वाराणसी/दिल्ली।
(ग) शुकनासोपदेश, बाणभट्ट; -चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी/दिल्ली।
(घ) अनुवाद चन्द्रिका, चकधर हंस-मोतीलाल बनारसीदास; जवाहर नगर, दिल्ली।

पंचम पत्र - व्याकरण, निबन्ध तथा अपठितांश। पूर्णांक-१००

वरदराज - लघुसिद्धान्त कौमुदी से निम्नलिखित प्रकरण :

१. सुबन्त प्रकरण - ३०
२. तिङन्त(भ्वादिगणमात्र) ३०
३. संस्कृत निबन्ध २०
४. अपठित (१)संस्कृत गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद १०
(२) अपठित संस्कृत गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद १०

नोट :- १. प्रयोग : सिद्धि मात्र का ज्ञान अपेक्षित है, सूत्रस्मरण आवश्यक नहीं है।
२. संस्कृत में निबन्ध वर्णात्मक, साहित्यिक।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. बृहद्रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
२. संस्कृत व्याकरण - श्रीधर वासिष्ठ
३. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका - चकधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,१९८५

४.	लघुसिद्धान्तकौमुदी	-	शारदारंजन रे, १९५
५.	संस्कृत-निबन्ध-रत्नाकर	-	डॉ० शिवप्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, १९७७
६.	प्रबन्ध प्रकाश,भाग-१-२	-	डॉ०मंगलदेव शास्त्री, प्रकाशक, बी०एन०माथुर, इंडियन प्रेस प्राईवेट लिमिटेड, प्रयाग, १९९०

षष्ठ पत्र - भारतीय दर्शन पूर्णांक-१००

अन्नभट्ट : तर्कसंग्रह	३०
शंकराचार्य : अपरोक्षानुभूति	३०
षड्दर्शनों का सामान्य परिचय	४०

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् - इण्डियन फिलॉसफी, भाग-१-२
२. उमेश मिश्र - भारतीय दर्शन
३. बलदेव उपाध्याय - भारतीय दर्शन
४. दत्त तथा चटर्जी - भारतीय दर्शन की भूमिका, (हिन्दी रूपान्तर)

बी०ए० (आनर्स) तृतीय वर्ष

सप्तम पत्र -संस्कृत भाषा नैपुण्य -३ पूर्णांक-१००

खण्ड-१ संस्कृत साहित्य का इतिहास २०

क. वैदिक संहिताओं एवं रामायण तथा महाभारत का सामान्य परिचय।

ख. भास, कालिदास, बाणभट्ट, भारवि, माघ, भर्तृहरि, दण्डी एवं जयदेव।

(उक्त कवियों की रचनाओं का सामान्य परिचय)

खण्ड-२ व्याकरण। १५

पाठ्यपुस्तक-लघुसिद्धान्तकौमुदी (वरदराज) निम्नलिखित प्रकरण -

म. कृदन्त प्रत्यय- क्त्, क्तवतु, शतृ, शानच्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, तव्यत्, अनीयर्।

ख. तद्धित - मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्।

ल. स्त्री प्रत्यय - टाप्, ङीप्।

खण्ड-३ काव्यदीपिका (कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य) २०

प्रथम, द्वितीय शिक्षा एवं अष्टम शिक्षा के निम्नलिखित अलंकार -
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, स्वभावोक्ति, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति।

नोट - अलंकारों के लक्षण, उदाहरण एवं संगति अपेक्षित है।

खण्ड-४ अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) ४५

नोट इसमें २५ अंक श्लोकों के सरलार्थ, १० अंक सप्रसंग व्याख्या एवं १० अंक चरित्र-चित्रण के लिए निर्धारित है।

पाठ्यपुस्तकें - १. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - कालिदास; बाबूराम पाण्डें; साहित्यभण्डार, मेरठ।
२. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य।
३. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय।
४. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास- युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट।

अष्टम पत्र - वेद तथा उपनिषद पूर्णाङ्क-१००

१. संहिता भाग ६०
डॉ० कृष्णलाल दादा विरचित "वैदिक संग्रह"।
प्रकाशक -इन्दु प्रकाशन, ८/११ रूपनगर, दिल्ली-७
(प्रारम्भ से लेकर अर्थ०३/३० पर्यन्त)।

वैदिक व्याकरण ६०

नोट - छात्रों से वैदिक व्याकरण का सामान्य ज्ञान ही अपेक्षित है।

२. उपनिषद्। ३०
ईश तथा केन् उपनिषद्।

अनुशंसित ग्रन्थ :-
१. ए०ए० मैक्डॉनल : वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेण्टस् (हिन्दी रूपान्तरकार- डॉ० सत्यव्रत शास्त्री)।
२. ईशोपनिषद् : शांकरभाष्योपेता, गीता प्रेस, गोरखपुर।
३. केनोपनिषद् : शांकरभाष्योपेता, गीता प्रेस, गोरखपुर।

नवम पत्र - भाषाविज्ञान - भूमिका पूर्णाङ्क-१००

खण्ड-१ भाषा का स्वरूप एवं प्रयोग, भाषा एवं उपभाषा, भाषा और समाज २५

खण्ड-२ ध्वनिविज्ञान : ध्वनि उत्पत्ति-विचार, ध्वनि-वर्गीकरण के सिद्धान्त : स्वर,व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन, (संधि)अक्षर, बलाघात,लय इत्यादि। २५

खण्ड-३ रूपविज्ञान : शब्दसंरचना, रूपविचार शब्दों के वर्गीकरण के सिद्धान्त, शब्द-निर्माण के सिद्धान्त, प्रत्यय-विचार। २५

खण्ड-४ वाक्यसंरचना : वाक्यरचना तथा वाक्य के प्रकार। २५

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. ए०ए० मैकडॉनल : वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेण्टस् (हिन्दी रूपान्तरकार- डॉ० सत्यव्रत शास्त्री)।
2. Introduction to Linguistics, Ratford, A.et. al Cambridge Univ, Press, 1999.
3. Introduction of Theretical Linguisties, Lyons, John. Cambridge Uni, press, 1968.
4. Phonology in generative Grammar, Kenstowic M, Basil Balckwell, 1994.
5. Morophology, Spencer, A., Cambridge Univeersity Press, 1995.
6. Introduction to Government and Binding Theory, Basil & Black well Haegaman, L. 1994.
7. Elements of General Phonetics, Abercrotbie, David Edinhurgh : Edinhurgh University, Press, 1966.
8. Linguistics : An Introducation to Language and Communication, Akmjian, A.R. Demers and R. Harnish, Cabridge Mass : MIT Press, 1979.
9. The Language Lottery : Towards a Biology of Grammars, Lightfoot, D Cambridge Mass : MIT Press, 1982.
10. Text Discourse and process : Toweards A Multidisciplinary Science Texts, Beaugrande, Robert De, London, Longman, 1980.
11. Discourse Analysis, Brown, Gillian and Yule, G., London, 1983.
12. Morphology, Cambridge University, Press.

दशम पत्र - अर्थशास्त्र तथा धर्मशास्त्र पूर्णाङ्क-१

खण्ड-१ धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र तथा नीतिशास्त्र का परिचयात्मक सर्वेक्षण

खण्ड-२ कौटिल्य अर्थशास्त्र, प्रथम अधिकरण।

खण्ड-३ मनुस्मृति, अध्याय १-६

खण्ड-४ याज्ञावल्क्य स्मृति : व्यवहाराध्याय।

अनुशंसित ग्रन्थ :-

१. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी०वी०काणे (अनुवादक-अर्जुन चौबे कश्यप), १९७
2. Considerations of some Aspects of Ancient Indian Polity, Madras, Madras University, Press.
3. Studies in Ancient Hindu Polity Based on the Arthasastra of Kautilya (2 Vols.) N.N. Law, London : Longman Green and Co.1914.
4. State Govt. in Ancient India-A.S. Altekar : MLBD, 1958.
5. Hindu Polity&K.P.Jayaswal, Bangalore : Bangalore Printing & Publishing Co
6. Some Aspects of Hindu View of Life according to Dharamasastras K.V.

NO: 6-38/2005(FL/UGPG)HPU-Acad
Himachal Pradesh University
"Academic Branch"

Dated: 6 OCT 2010

To

1. All the Principal of the Colleges(UG)
2. The Dean of Studies ,HPU,Shimla-5
3. The Dean Faculty of Languages,HPU,Shimla-5
4. The Chairperson, Deptt. of Sanskrit ,HPU.Shimla-5
5. The Controller of Examination,HPU,Shimla-5
6. The Director.ICDEOL,Shimla-5
7. The D.R.(Exam) HPU,Shimla-5
8. The A.R. Eval/RE/Eval/Conduct//Exams,Shimla-5
9. D.R.Secy. HPU,Shimla-5

Subject: Supply of syllabus of Under Graduate Classes Sanskrit.

Sir,

I am sending herewith a complementary copy of the New syllabus of UG General Sanskrit duly approved by the BOS in its meeting held on 15.06.2010,Faculty of Languages held on 14-09-2010 and Academic Council of its meeting held on 27-09-2010 vide item NO-24 has approved the above referred syllabus from the Academic Session 2010-2011.

बी०ए०, बी० कॉम तथा

बी. एससी. द्वितीय वर्ष
सामान्य संस्कृत

सामान्य संस्कृत समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80

(80+20=100)

भारतीय संस्कृति एवं भारत की अस्मिता से जुड़े रहने के लिए विज्ञान संकाय के बी. एससी. द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थी सामान्य संस्कृत अथवा सामान्य हिन्दी में से किसी एक का अध्ययन कर सकते हैं। यह परीक्षा अस्सी (80)अंको की होगी तथा इसे उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा। श्रेणी निर्धारण में ये अंक जोड़े जायेंगे। यह प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम) बी. एससी. द्वितीय वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित है। उक्त पाठ्यक्रम जुलाई 2010 से लागू होगा।

क **पञ्चतन्त्र** (अपरीक्षितकारकं) 20 अंक

तीन कथाये :-

1 ब्राह्मणी- नकुल- कथा ।
2 मत्स्यमण्डूक - कथा ।
3 सोमशर्मपितृ - कथा ।

ख **श्रीमद्भगवद्गीता** (द्वितीय अध्याय) 20 अंक

ग **व्याकरण** 40 अंक

1 शब्दरूप तथा सर्वनाम : 10 अंक

राम, हरि ,गुरु ,रमा, नदी, वधू , फल , राजन्, पयस् पति, अस्मद्, युष्मद् ,तत् ,किम् ,इदम् ,एतत् ,सर्व 1

2 धातु रूप : 10 अंक

पाँच लकारों में (लट्, लोट्, विधिलिङ्, लङ्, लृट्)
भू , पठ्, गम्, अस् , वद्, लिख्, दृश्, भक्ष्
कथ् , नृत्, क्रीड् , कृ , पच् , पा (पिब्) 1

3 सन्धि :

स्वर तथा व्यञ्जन सन्धि : 10 अंक

दीर्घ ,गुण, यण् ,वृद्धि , श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, (पदान्त

परीक्षक के लिए विशेष निर्देश

क 1 कथाओं के किन्हीं दो अवतारणों में से एक का हिन्दी में सरलार्थ पूछा जाये । 6 अंक

2 कथाओं में दिये गये दो पद्यों में से एक की हिन्दी मे व्याख्या पूछी जाये । 6 अंक

3 दो कथाओं में से एक का हिन्दी में सार अथवा प्रस्तुत कथा से आप को क्या शिक्षा मिलती है? उत्तर दीजिये ? 8 अंक

ख 1 श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय में दिये गये चार पद्यों में से दो पद्यों का हिन्दी में सरलार्थ करने के लिये दिया जाये । 12 अंक

2 श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय से कोई भी सरल प्रश्न अथवा उक्त अध्याय का सार लिखने के लिये दिया जाये । 8 अंक

ग 1 दस शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों के विशिष्ट विभक्तियों के तीनों वचनों में रूप लिखने का निर्देश दें । 10 अंक

2 आठ धातुओं में से चार धातुओं के अपेक्षित लकार में धातुरूप लिखने का निर्देश दें । 10 अंक

3 दस शब्दों में से पाँच का सन्धि विच्छेद करने के लिए दिया जाये । 10 अंक

4 दस धातुओं में से पाँच धातुओं के साथ पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्यय लगाने का निर्देश दें । 5 अंक

5 हिन्दी के दस सरल वाक्यों में से पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने के लिये दिया जाये । 5 अंक

Himachal Pradesh University
"Department of English"

Dated: Shimla-5 the 14th September, 2010

To

The Deputy Registrar(Acad.)
Himachal Pradesh University,
Shimla-5

Subject: Regarding meeting of the Board Of Studies(UG) in Sanskrit held on 15th June,2010 and syllabus approved by Faculty of Languages in its meeting held on 14.9.2010.

Sir,

It is intimated that the meeting of the Board of Studies (UG) i Sanskrit held on 15th June, 2010 has prepared the syllabus of Sanskrit Genera for B.Sc.II as required by your office letter No.6-38/2005(SUG) HPU (Acad.)dated 11th January,2010 which has been approved by the Faculty o Languages in its meeting held on 14.9.2010 .

Further, with reference to your office letter No.6 38/2005(SUG)HPU(Acad.) Vol.II dated 29th July 2010 it is submitted that sinc the syllabus of Sanskrit General for BAII and B.Com.II is the same as that o B.Sc.II.therefore, you are requested to kindly prepare item for the approval o the Academic Council in its ensuing meeting on 27th September,201 accordingly and include B.A II and B.Com.II also alongwith B.Sc.II in th Agenda . In simple words **the syllabus which has been prepared by th BOS(UG) in Sanskrit and approved by the Faculty of Languages fo B.Sc.II may be got approved by the Academic council for B.AII and B.com II also.**

Yours faithfully,